स्वच्छ भारत अभियान :

2 अक्टूबर *2014* को भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने एक राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में देश भर में स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की। स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार का सबसे महत्वपूर्ण स्वच्छता अभियान है। इस अभियान का उद्देश्य *2* अक्टूबर *2019* तक 'स्वच्छ भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

मिशन का समग्र उद्देश्य खुले में शौच और हाथ से मैला ढोने को समाप्त करके और आधुनिक और वैज्ञानिक नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का प्रावधान करके सफाई और स्वच्छता सुनिश्चित करना है । "स्वच्छ भारत" के वांछित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वस्थ स्वच्छता प्रथाओं के संबंध में व्यवहार परिवर्तन को प्रभावित करने के लिए जागरूकता सृजन को भी सबसे आगे रखा गया है।

स्वच्छ भारत अभियान के लक्ष्य की दिशा में नीपको ने विद्यालयों में शौचालय निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। स्कूल शौचालय के निर्माण के बाद सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण किया गया। इसके अलावा, विभिन्न पहलों के तहत कूड़ेदान और जल आपूर्ति प्रणाली का प्रावधान भी किया गया था।

पहल:

स्वच्छ भारत अभियान के तहत नीपको द्वारा की गई प्रमुख पहल विभिन्न सार्वजनिक स्थानों और विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण, कूड़ेदानों का वितरण, श्मशान का नवीनीकरण, सफाई अभियान का आयोजन, विरासत स्थलों का रखरखाव, मोर्चरी वैन का दान आदि है।

- विद्यालयों/कॉलेजों में शौचालयों का निर्माण
- सार्वजनिक शौचालय का निर्माण
- कूड़ेदान, सफाई सामग्री आदि का वितरण।
- विरासत स्थलों की सफाई और रखरखाव।
- मोर्चरी वैन का दान।
- बस स्टैंडों, अस्पतालों, विद्यालयों, रेलवे स्टेशनों, चर्चों, मंदिरों, स्मारकों आदि पर सफाई अभियान आदि का आयोजन करना।
- विद्यालयों में निबंध/ड्राइंग प्रतियोगिताएं।

परिणाम:

सार्वजनिक स्थानों और बाजारों में शौचालय बनाने में पहल का सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता पर महत्वपूर्ण परिणाम होता है। अधिक उपस्थिति वाले शौचालयों के कार्यात्मक और पर्याप्त प्रावधान होने, विद्यालय छोड़ने वालों की संख्या में कमी और बीमारियों में कमी के दीर्घकालिक परिणाम हैं। हालांकि इन सभी को दीर्घकाल में मापा जा सकता है।

सार्वजनिक स्थानों/पूजा स्थलों/गांवों में कूड़ेदानों के वितरण ने बड़े पैमाने पर खपत के इस बढ़ते युग में आसपास के गांव को स्वच्छ रखने में योगदान दिया है।

विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर शौचालय होने की सुविधा के अलावा, विद्यालयों में शौचालय, बाजारों और अन्य सार्वजनिक स्थानों के आसपास एक स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करते हैं।

इसके अलावा, उच्च उपस्थिति के परिणामों के साथ विद्यालयों में शौचालय के कार्यात्मक और पर्याप्त प्रावधान होने के दीर्घकालिक परिणाम हैं।